

नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिनेस, बिबिसे
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



**नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड**

वर्ष २३ अंक ३२ वि.सं. २०८२ भदौ ०१ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 17 August 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

थारु समुदायमे अस्टिम्की मनागिल

कैलारी-७ मे निःशुल्क आँखी जाँच शिविर

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ३१ सावन । थारु समुदायसे शनिच्चरके रोज अस्टिम्की टिहुवार मनैले बटै ।
थारु समुदायके घरमे भगवान श्रीकृष्णसहित मानव जातीके जन्मसे मृत्युसमके क्रियाकललाप दर्शना चित्र बनावे पूजा कैटी पहिल रोज अस्टिम्की टिहुवार मनागिल हो । थारु समुदायके घर-घरमे रहल बहरीके भिटा अथवा डेहरीमे अस्टिम्कीके अवसरमे मानव जातीके जन्मसे मृत्युसम कैना क्रियाकलापके चित्रके माध्यमसे देखेना करल थारु बुद्धिजिवी दिलबहादुर चौधरी बटेल ।

महिला पुरुष डुनु जाने अस्टिम्कीके अवसरमे चित्र बनैना करटै । विशेष कैके यी दिन ब्रतालु महिला चित्र बनैनामे बेफुसदिला बनल रहटै । “ब्रम्ह मूहर्तमे दर खाइलपाछे घरमे रहल बहरी (बैठक) कोठामे ब्रतालु थारु महिला अपने हाठसे कान्हा अर्थात भगवान श्रीकृष्णके चित्रसहित अन्य लोक चित्र बनैना करटै” उहाँ कहलै, “महिलाहुके बनाइ नैजानल ठाउँमे पुरुष जाके चित्र बनैना करटै ।” चित्र बनाइबर पछिउ ओर चन्द्रमा, पुरुबओर सूर्य, मच्छी, लड्डी, गेगटा, सँवा, कुकरा, रुखमे बैठल बन्दरा, केच्ना, खेचुहीया, हठिया,



घोरुवा, गोरु, उँट, मुर्गी, मजोर, विच्छी, वासुकि नागलगायतके जलचर ओ थलचर प्राणीके चित्र बनैना करजाइट । चित्र बनैना बीच भागमे दुलही पठाइबर दुलहीहे लैजुइया डोली बोकुइया सहितके डोलीके समेत चित्रके माध्यमसे देखेना करजाइट । डेहरी ओ भिटामे इ चित्र बनैना करल उहाँ बटैलै । “पहिले महिला किल अस्टिम्कीके बेला चित्र बनैना करिटै” उहाँ

कहलै, “हाल पुरुष समेत चित्र बनैना करल बाटै ।” सिलौटामे पिसल चाउर, भिटा अथवा डेहरीमे पोटलपाछे परम्परागत तरिकासे बाँसके सिँकामे कपास लगाके रंगमे डुबाके चित्र बनैना करल रलेसे फेन हाल बजारमे पैना रंग प्रयोग कैके चित्र बनैना करल उहाँके कहाइ रहल बा । सुष्टीके रचनासे मानव जातीहे बाँचक लाग आवश्यकपर्ना वस्तुबारे चित्रके

माध्यमसे व्यक्त कैना हुइल ओरसे थारु समुदायके लोक चित्रकलाके महत्व रहल बा ।

थारु समुदाय प्रकृति पुजारीके रूपमे रहल ओरसे पाँच हजार बरस आघेसे चित्र बनैना कलाके सुरुवात हुइल बताइल बा । पहिले थारु समुदाय अष्टिम्कीके बेला बनैना चित्रके लाग सिमके पटियासे हरियर, खयरसे कन्थइ, पुँइक बियासे लाल, सुखाइल लौका आगीमे जराके करिया रङ बनैना करिट । अष्टिम्कीमे चित्रमे लगैना रङगके समेत आ-अपने महत्व रहल बा । करिया रंग शून्यताके प्रतिक, लाल रंग जीवनके उमङ्गता, हरियर रङ्ग धैर्यताके प्रतिक, पियर रंग बुद्धिमताके प्रतिक, खैयर रङ्ग शरीरके संवेगात्मक अवस्थाके प्रतिक ओ निला रङ्गहे परम्परा ओ मूल्य मान्यताके प्रतिकके रूपमे लेना करजाइट । थारु संस्कृतिके जानकारीके अनुसार अष्टिम्कीके चित्रमे अत्यधिक मात्रामे ज्यामितीय स्वरूपके प्रयोग करजाइट । थारु लोक चित्रकार शिर ओ रोदनके लाग अण्डाकार शरीरके लाग घनाकार बा(बाँकी ३ पेजमे)



पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ३१ सावन । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ७ मे रहल शनिच्चर रोज निःशुल्क आँखी जाँच शिविर सम्पन्न हुइल बा ।

मानव धर्म सेवा समिति कैलारी-७ भुइयाफाँटा ओ गेटा आँखा अस्पताल धनगढीके आयोजनामे निःशुल्क आँखी जाँच शिविर हुइल हो । शिविरके उदघाटन कैलारी गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीके बरका पहुनामे हुइल हो । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ आँखी मानवके महत्वपूर्ण अंग रहल ओरसे उहीहे ध्यान डेना जरुरी रहल बटैली । उहाँ मानव धर्म सेवा समिति कैलारी-७ भुइयाफाँटा ओ गेटा आँखा

अस्पताल धनगढीके आयोजनामे निःशुल्क आँखी जाँच शिविर संचालन कैलकमे धन्यावाद ज्ञापन करली ।

कैलारी गाउँपालिकासे समय समयमे टमान मेरिक शिविर संचालन करटी आइल बा, उ शिविरमे ग्रामीण ठाउँके जनता सेवा पाइल उहाँ बटैलै । विगतके बरसके निःशुल्क आँखी शिविर संचालन करके ढेर जाने निःशुल्क आँखीके अप्रेशन सेवा लेहल गाउँपालिका उपाध्यक्ष बटैली ।

निःशुल्क आँखी शिविरमे कैलारी गाउँपालिकाके प्रवक्ता तथा वडा नम्बर ७ के वडाध्यक्ष दिपेन्द्रबहादुर बम, कार्यपालिका सदस्य सुन्दरीदेवी चौधरी विशिष्ट पहुना रहिट ।

पर्यटन प्रवर्द्धनके लाग सामुदायिक बन्वामे पाहुना घर निर्माण

कञ्चनपुर, ३१ सावन । पर्यटकीय गतिविधि बहैना उद्देश्यसे कृष्णपुर नगरपालिका-६ स्थित सिंहपुर सामुदायिक वन पाहुना घर निर्माण आघे बहैले बा । नगरपालिका ओ सामुदायिक वनके लागत साभ्केदारीमे पाहुना घर निर्माण अन्तिम चरणमे पुगल हो ।

पाहुना घर निर्माणके लाग नगरपालिकासे रु. तीन लाख ओ सामुदायिक बन्वासे रु. सात लाखसे ढेर रकम खर्च करल वनके अध्यक्ष जोगराज

चौधरी जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार स्थानीय शैलीमे पाँच कोठासहितके पाहुना घर निर्माण हुइटी रहल बा । “प्रत्येक कोठामे दुई शय्यासहित अन्य आवश्यक पूर्वाधारके व्यवस्था करल बा । दुई महिनाभितरे घर सम्पन्न कैना लक्ष्य लेहल बा,” उहाँ कहलै ।

निर्माण सम्पन्न हुइलपाछे सामुदायिक वन अवलोकनके लाग अउइया पाहुनाहुकनसे न्यून शुल्क लेके बासके सुविधा उपलब्ध कराजैना चौधरी

बटैलै । पाहुनाके रुचिअनुसार थारु, राना थारु ओ पहाडी समुदायके अर्गानिक परिकारके खाना खवाइना योजना रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

“पाहुनाके मागअनुसार थारु समुदायके परम्परागत संस्कृति, रहनसहन, भेषभूषालगायत विविध पक्षबारे जानकारी डेना योजना बनैले बटी” अध्यक्ष चौधरी कहलै, “अर्गानिक खानासहित परम्परागत नृत्य डेखाके पर्यटकहे मनोरञ्जन डेबी ।” (बाँकी २ पेजमे)

Admission Call for 2025 Intake

Programs(43 Seats in each)	Eligibility
BE Computer Civil Bachelor of Engineering	SLCE (Class XII) or equivalent level with minimum 2 out of 4 CGPA or 45% in aggregate and minimum C grade in Physics, Chemistry and Mathematics.
BCA Bachelor of Computer Application	SLCE (Class 12) or equivalent level with minimum 2 out of 4 CGPA or 45% in aggregate and minimum C grade in Mathematics or Computer Science.
BBA Bachelor of Business Administration	SLCE (Class 12) or equivalent with minimum 1.8 out of 4 CGPA or 45% in aggregate and minimum D in each subject.

Admission Schedule:

S. No.	Description	Program	Key Dates	Time
1.	Admission Form Submission Deadline	BBA/BCA	2082/05/03 (19/08/2025)	4:00 pm
		BE	2082/05/19 (04/09/2025)	
2.	Entrance Exam (Written/Viva/Presentation)	BBA/BCA	2082/05/04 (20/08/2025)	8:00 am
		BE	2082/05/20 (05/09/2025)	
3.	Result Publish	BBA/BCA	2082/05/05 (21/08/2025)	
		BE	2082/05/22 (07/09/2025)	

Entrance Application Form Fee: 1500 /- only
Note: If you are an under graduate, join NAST for MBA program. Admission forms for MBA program are available.
For Online Application: nast.edu.np/online-application

National Academy of Science and Technology (NAST)

(Affiliated to Pokhara University)
Accredited by University Grants Commission (UGC), Nepal, (2022)
Dhangadhi, Kailali, Nepal
Phone No: 091-523312, 523949, 091521312 Email: info@nast.edu.np



Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology

Dhagnadhi, Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८२/०४/०५ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना अनलाइन आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

- आवेदन फाराम शुल्क: १०००/- (एक हजार मात्र)
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८२ श्रावण ०६ गतेदेखि
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८२ श्रावण २५ गतेसम्म
- अनलाइन आवेदन फाराम सम्बन्धमा: अनलाइन आवेदन फाराम www.ctevtexam.org.np मा उपलब्ध गराइएको ITMS Online मा भरी Submit गर्नुपर्नेछ ।
- अनलाइन आवेदन बापतको शुल्क फाराम भर्दाको समयमा नै Connect IPS वा Khalti Digital Wallet प्रयोग गरी रकम बुझाउनु पर्नेछ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवश्यक कागजातहरू:

- रगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
- SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
- SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
- चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
- जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
- TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
- लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।
- शिक्षालयले अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धमा आवेदक विद्यार्थीहरूलाई सहजीकरण गर्न सक्नेछ ।
- सामान्य चिकित्सा (४०) मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी (३०) र डिप्लो इन फार्मेसी (४०) जनाको सिट सीमित छ ।
- सम्पर्क नं. ९८५८४२३५०६/०९१-५२१३०५

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुँचा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागजी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापक सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८५८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समीजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

देशभरके उखु किसान काठमाडौंमै



सर्लाही, ३१ सावन । उखुके अनुदानहे निरन्तरता देना माग करटि देशभरके अगुवा उखु किसान संघीय राजधानी काठमाडौं पुगल बटै ।

सरकारसे चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेटमे उखुके अनुदानके लाग बजेट विनियोजन नैकरलपाछे उखु किसान असन्तुष्ट बा । किसानसे दुई साताआघे अपनअपन जिल्लाके प्रमुख जिल्ला अधिकारीमार्फत सरकारहे जापनपत्र बुझैटि सावन महिनाभित्रे अनुदान रकमबारे निर्णय करना समय डेहल रहे ।

सरकारसे यीबारे निर्णय करना चास नैदेखाइलपाछे सर्लाही, महोत्तरी, रौतहट, बारा, सिराहा, सुनसरी, नवलपरासी, कञ्चनपुरलगायत उखु खेती हुइना प्रत्येक जिल्लाके अगुवा उखु किसान काठमाडौं केन्द्रित आन्दोलनके तयारीके लाग भेला हुइल बटै ।

उखु किसानके अगुवा शुक्के रोज चिनी उद्योगके मालिकसहित पूर्वप्रधानमन्त्री एवं नेपाली कांग्रेसके सभापति शेरबहादुर देउवा ओ नेकपा (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेलहे भेटके उखु किसानके पीडा सम्बोधनके

पर्यटन प्रवर्द्धनके लाग...

उहाँके अनुसार पाहुना घर सञ्चालनके लाग कार्यविधि तयार करल बा ।

पाहुनाहे बनवा भिट्ठरक भ्यू टावर, पिकनिक स्थल, छ हेक्टर क्षेत्रफलमे रहल सालके पुनः उत्पादन प्लट, १६ कटुआके पोखरीमे डुंगा सयरलगायत सुविधा उपलब्ध कराजैना अध्यक्ष चौधरी जानकारी डेलै । उहीसे पर्यटन प्रवर्द्धन हुइनाके साथे स्थानीयके आयआर्जन बहना उहाँ विश्वास व्यक्त करलै ।

सामुदायिक वनसंगे जोरल सिंहपुरके

दक्ष चालक बना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुपुमे अउईयाहुऊनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुऊनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ डाईभिड सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकाह विद्यार्थीहुऊनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पकि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । -सम्पादक

अस्टिम्की पर्व ओ थारु

हरेक जातजातिके सभ्यताके विकास सँगसँग भाषा, कला, संस्कृति, मूल्यमान्यताके विकास हुइति गैल ओ कालान्तरम सैगर संस्कृति वन पुगल । थारु जाति कला संस्कृतिम बहुट धनी ओ सम्पन्न जातिके रुपम चिहिनजाइठ । थारु समुदायम मनाजिना विविध चाडपर्वमध्ये अष्टिम्की विशेष कैक महिलनके मनैना पर्व हो । थारु समुदायके सभ्यताके उत्पत्तिसँगसँग मनैटि अइलक अष्टिम्की पर्व नेपालके थारु रस्तीबस्ती रहल जिल्लाम भव्य रुपम मनैना कठ । चडपर्व मनैनके पहिचानसे जोरगिल रहठ । पहिचान आपन मौलिकतासे जोरगिल रहठ । यि पर्व थारुनके मौलिक पर्व हो । चाडपर्व, रहनसहन, रीतिरिवाज, लवाइखवाइ, कला, संस्कृति हमार पहिचान हो, हमार परिचय, चिनारी ओ अनुभूति फे हो । हम्न हमार संस्कृति बचाइ परठ । हमार संस्कृतिके मूल्यमान्यता का हो ? कना बुझ परठ । हरेक जातजातिन्हक संस्कार, संस्कृतिम ज्ञान, विज्ञान, सञ्चार रहठ । ऊ बात बुझन युवा पुस्ताम पुस्तान्तरणकरक लाग मनैटि जाइ परठ ।

वास्तवम चाडपर्वले मनैन चौकस ओ चम्पन्न बनाइठ । गाउँघरम रौनक लम्ना काम करठ । एकआपसम उक्वारभ्याट कर्ना अवसर जुराइठ । ओहमार चाडपर्व कला संस्कृति हमार पुर्खनके सैगर सैदान हो । हरेक जाति समुदायके आफन मौलिक तौरतरिकासे मनैना विभिन्न चाडपर्व संस्कार संस्कृति रहठ । थारु जाति फे अलग पहिचान देना खालके आफन भाषा संस्कृति एवम् सामाजिक रीतिरिवाज रहल समुदाय हो । थारु जाति फे और जातिअसक अनेकौ चाडपर्व मनैटी आइल बाट । विभिन्न चाडपर्वमध्ये माघ, बर्का डश्या, फगुई, होरी, डेवारी, बर्का अटवारी, अष्टिम्की, गुरही, बर्का पूजा, हरेरी, धुरेरी, हरढावाअसक धेर चाडपर्व सामूहिक रुपम मनैटी आइल बाट । थारु समुदायम थारु महिला हुक मनाजिना अष्टिम्की पर्व एक महत्वपूर्ण पर्व मानजाइठ ।

यि पर्व हरेक बरस भदौ महिनाके कृष्ण पक्षके अष्टमीके तिथिम परठ । कृष्ण जन्माष्टिमीके दिन यि पर्व मनाजिना हुइलक ओहसँ थारु समुदायम अष्टिम्की पर्व कैजाइठ ।

कसिक मनैठ अष्टिम्की

हरेक चाडपर्व मनैना तौरतरिका भिन्न भिन्न रहठ । चाडपर्वके फे आपन रिटभाँट रहठ । रिटभाँट नै हमार मौलिकतासे जोरजाइठ । यि पर्व विशेष कैक महिलाहुक मनैना कठ । जब यी पर्वके आगमन हुइ लागठ तब गाउँघरके वातावरण नै चम्पन बन लागठ । यि पर्व छाइ, पटुइह्या, जलन्नु जोरगिलक ओहसँ हरेक घरक अभिभावक हुक आफन छाइ, पटुइहेन, चेलीबेटिके लाग लौव लुगा किन्ना, सरजामा जोना तयारी कर लगठ । ब्रत बैस्लक दिन लौव लुगा लगाख पूजापाठ ओ टिकना हुइलक कारण लौव लुगा अनिवार्य रहठ । ऊ दिन लौव लुगा निरलसे चेलीबेटि छाइ लर्का महा करसे पिर मनैना कठ । असहख अष्टिम्की चित्र बनैना महाटावाके घरक मनै फे आफन घर पिन्ना कठ । खास चित्र बनैना ठाउँ (भित्ता) उजर माटीले पिन्ना कैजाइठ । ओसहख मिठ मिठ तरकारी, मच्छी, फलफूल, क्यारा पकैना, दही जमैना, खिरा, अमूट, आदि सामग्री जुटैना सुरु कैजाइठ । आजकाल्हिक असक पैल्हक जमानाम फलफूल, सर सामग्रीके लाग बजारके अभाव रह । ओहमार चाडपर्वम आपन लाग चहना सरसामग्रीके जोहोगाउँघरम नै व्यवस्थापन कर्ना करट । बारिम रलक खिरा, अमूट, केरा, फलफूल, टिनाटावन आदि खास कैख ओह अष्टिम्किक लाग बचाख धर्ना फे करठ । खेटोक भरनीम खोद्व्या लगाख मच्छी सुखाक डिल्याम ढैराठ । असिक पूर्व तयारीके साथ पर्व मनैना थारुनके प्रचलन अम्हिन फे जिवन्त

पलि बा ।

यि पर्वके लाग करिब महिना दिनसे अघारिसे तयारी कर्लसे फे विशेष कैक दुई दिन धुमधामके साथ मनैना कैजाइठ । कान्हा (कृष्ण) जन्मलक दिन राटख ब्रत बैठना दिदीबाबु, महिला हुक दर (डटकन) खैना कठ । दर खाइक लाग विशेष मिठ परिकार बनाख सामूहिक रुपम खैना हुइलक ओहसँ सन्झ्याख नै तयारी कैरख । जस्त कि टिनाटावन खोज्ख ढैरख । सप्तमीके रात बिना मुर्घी बोल्ल मिठ मिठ तरकारी, परिकार, मच्छी, आदि रिभापकाख दर खैना चलन बा । राटक उठ्ख मिठ मिठ टिना, मच्छी, सिकार रिभाख मुर्घि बोल्नासे आघ नै दर खाक सेक परठ । मुर्घि बोल्ल कलसे खाइ निमिलठ यदि खाढलसे ठुठा मान्जाइठ । दोसर दिन अष्टिम्कीक दिनभर ब्रतालु थारु महिला दिदीबाबु, बठिनेन् निराहार ब्रत रठ । गाउँक महाटावा वा बरघरेक घरक भित्ता वा डेहेरीम कृष्ण चरित्र सम्बन्धी विभिन्न प्राकृतिक चित्रबिचके चित्र बनाख ओह चित्रके पूजापाठ कर्ना कठ । यि एकठो सामूहिक रुपम मनाजिना पर्व फे हो । यि पर्व विशेष कैख कपिलवस्तु स्पन्देहीठेसे पश्चिउ दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुर, सुर्खेतम धुमधामाके साथ मनाजाइठ । अष्टिम्कीक दिन बरघरेक घरम चहलपहल रौनकले भरल रहठ । प्राय ब्रत बैसल बठिनेन् लौया लर्का, जलन्नु मनै अष्टिम्की टिकना घरओहर जमघट रठिन् । कुछ युवा हुक फे निराहार रठ ओ अष्टिम्किक चित्र फे बनैना काम कठ । चित्र बनैना ठाउँम ब्रत निरहल मनै ओठे जैना वर्जित रहठ । ब्रत निरहल मनैन ठुठा मान्जाइठ ।

सन्झ्याख ब्रत बैसल महिला दिदी बाबुहुक लग्घक खोल्टुवा वा कुवाम लहाख सिँगारपटार गरगहना घाल्ख सपठ । घरक कुल दिउता रहल पाताम दिया बठ ओ बरघरेक घर टिक जाइक लाग पूजा सामग्री टथ्याम चाउर, घुन्यासरके फूला, बर्टरहल दिया, एकजोर कागती वा निम्वा, लाल सिन्दुर, धुप, भ्वाजबिहा करल महिला दिदीबाबु हुक चाहिँ धानक बुट्टा, मकैक बुट्टा फे साथम लेक जिठ असिक विविध सर सामग्रीसहित घरघरसे जगमग जगमग हाठम पुज्ना सामग्रीसहित निक्कठ त गाउँ नै ज्योतिर्मय बनठ । अन्य गाउँघरक जन्नी, थारु, युवा ठन्या, लर्कापर्का फे सँगसँग अष्टिम्की रलक बरघरेक घर जम्मा हुइठ । पूजा कर्ना बहीम निपल ठाउँम गोन्नी बिछाइल रहठ । बरघरेक घरक गोसिन्या लगायत गाउँक सबजन टथ्याम लैगिल चाउर फूला लस्कर अष्टिम्कीक टिकना बनाइल ठाउँम ढठ ओ पालिक पात्था कान्हा लगायत अष्टिम्की बनाइल भित्ताके सब चित्रम क्रमशः टिक्ख पुजापाठ कठ ।

पूजापाठ कैख सेक्लसे जम्मा हुइल युवा ठन्या लौरा लर्का महिला दिदीबाबुनके लानल कागती र निम्वाके भेठी काट्ख ढर्ना, बाँके कागती निम्वा लैजैना कठ । भेठी (चोटि) काटब्याला प्राय युवा ठन्या हुक आफन मन परल बठिनेन्क पूजा करल प्रसादके भागम रहल कागती वा निम्वाके भेठी कट्ना कठ । ओहमार ठनिक सुधर बठिनेन्क भागमसे कागती या निम्वा ज्या बा ऊ अन्निकअछना, तछाडमछाड कठ । ऊ दृश्य रमाइलो ओ हेर्ना लायक रहठ । ऊ ब्याला ओठे ठरेन आफन आफन छुट्ट चोटि कट्ना हस्या लैगिल रठ । वाकर पाछ ब्रतालु महिला लौन्या लर्का आफन आफन घर फिर्ता होख घरम फे एकठो क्वाठ वा बहरीम निप्ख आँगिम विभिन्न फलफूल चिक्कट्ख चहाख धुपाख पूजापाठ कठ । आँगिक अग्यारीम फलफूल चहाख पानीले पछठ । पूजापाठ कैख आफन दादु भैयनके लाग खिरा, अमूट, स्याउ, फलफूल छुट्ट टेपरीम काहाख ढठ ओ फलफूल भोजन कैख पुन महाटाँवाको घर जम्मा हुइठ । महाटाँवा वा बरघरेक घर राटभरकान्हक गीत गैठ । छोक्रा नाच

फे कठ । अष्टिम्की गीत गैनासे पैल्ह चार दिशाका दिउतावन एवम् देवी दुर्गाहे स्मरण कैख मात्र गीतको सुरुवात कर्ना चलन बा ।

सम्झौटी:
पूर्व मै सुमिरौ सुरज गोसाईं पछिउँ मै सुमिरौ रमभ्रम (निरञ्जन) देवी खरतारे ॥१॥
उत्तरे मै सुमिरौ हरि कविलासे दक्षिण सुमिरौ शिव जगन्नाथ ॥२॥
आकाश सुमिरौ इन्द्र ओ चन्द्र पाताल सुमिरौ बासुकी नाग ॥३॥
पहिल मै सुमिरौ गाउँकी भुइह्यार हमारी मेररिया दिउँता करही रक्षा पाल ॥४॥

दिहबु मै सुमिरौ देउ देवारिन हमरी मेररिया करो रे रक्षा पाल ॥५॥
मेररिया मभिमारे सुमिरौ मै टुही कण्ठ बैठो मोर गीत देहिन सिखाइ ॥६॥

पूर्वम सूर्य देवता, पश्चिमम रमभ्रम निरञ्जन देवी, उत्तरम पाटन देवी (हरि कविला),दक्षिणम शिव जगन्नाथ, आकाशके चन्द्र ओ इन्द्र पातालके बासुकी नाग दिउता र गाउँक साभा ठन्वा भुइह्यार(मन्दिर) आदिको स्मरण कैख किल यि पर्वक कृष्ण लीलम आधारित गीत गाजाइठ । जिहीह अष्टिम्कीक गीत कठ । अष्टिम्कीक दिन जत्रा गीत गैल रठ पाछ गाउँम सामूहिक सख्या नाच करब्याला ओह अखाठेसे गीत गैना चलन फे बा । अष्टिम्कीक गीत नै सख्या गीत हो । अष्टिम्कीक दिन गैना ढरान (लय) म केल फरक रहठ । अष्टिम्कीक दिन गाइ ब्याला स्वाभ ढरानम गाजाइठ कलसे सख्यामा सखीर कना ठेगो ठप्पाइठ । बाँकी सब गीतके पैढार एक्कमेरिक रहठ ।

अष्टिम्की गीतको कुछ पैढार:
पहिल त सिरिजित गैल जलथल ढरती सिरिजित त गैल कैल कुश रे दाप ॥१॥
दुसर त सिरजल अन्न कही पात सिरिजित गैल अन्न कही विरोग ॥३॥
तिसर त सिरजल अन्न कही डार सिरिजित गैल अन्न कही फला ॥४॥
चौठा सिरिजित गैल अन्न कही फल सबहु देउता हो मिली लेउ फुलक वास ॥५॥

सिरिजित गैल कारी मनखवा कारी मनखवा कल मै बरी बाटुँ ॥६॥
कारी मनखवा कहल मै बरी बाटुँ दिउता जे कहल मै बरी बाटु ॥७॥
कारी मनखवा कहल मै बरी बाटुँ सिरिजित गैल बिरछिक रुखा ॥८॥

यी संसारम सबसे पैल्ह जल ओ थलके उत्पत्ति हुइलक हो । वाकर पाछ क्रमश कुश, फल, अन्न, दिउता, मानव, रुख, विरुवा, बारु कनैह्या आदिके उत्पत्ति हुइलक हो कना बात गीतम रहल बा । ढरटिम रहल अनाज, फुलाक बास लिह आग्रह कैगिल बा । राटख महाटावाके घरम जग्राम कैख बिहान्ख सबजन आघक दिन अष्टिम्की टिकलक महाटावक घर पुनः पूजापाठ कैख ओठेसे फूला, निम्वा वा कागतीके चोटि, आछत, टथ्याम उठाख दियासहित लग्घक खोल्टुवा असाए जैठ । ब्रतालु महिला दिदीबाबु हुक विशेष सजधजके साथ सजल बठिनेन्क लस्कर खुब सुहावन ओ मनमोहक दृश्य देखजाइठ । पूजापाठ करल फूलालगायतके सामग्री खोल्टुवाम असाख ब्रतालु महिलाहुक लहाख घर फिर्ता हुइठ । यहर घरम एक ठाउँम लिपपोट कैख फलाहारके लाग पवैके साग, उरुडके गुडा, मच्छी आदि परिकारसहितके खाना तयार बनाजाइठ । ब्रतालु दिदीबाबु खोल्टुवासे लहाख आख छुट्ट निपल ठाउँम अग्यारीम सब टिनाटावन चहाख, धुप ओ पानीले परस्ख । निंढल टिनाटावन ओ भात छुट्ट टेपरीम छुट्टैठ जिहीह अग्रसान कैजाइठ । असिख छुट्ट्याइल अग्रसान आफन दादु भैयन डिह जिना चलन बा । दुर दुर रहल दादु भैयन् फे आपन दिदीबाबुके अग्रसानके अग्राम बैठल रठ । अग्रसान काहाख ब्रतालु दिदी बहिन्यो खाना खैठ । ऊ दिन घरपरिवार सबजन ओह ब्रतालुनके लाग पकाइल



खाना खैना कठ । दिन्क आपन दादु भैयन ढकियाम काहल अग्रसान पुगाए जैठ ।

थारु प्रकृतिपूजक जाति हुइठ । थारु समुदायम आपनठे ज्या बा ओह चाजक उपयोग कर्ना कठ । जीवनयापनके क्रममा ज्या ज्या प्रयोग ओ उपयोग हुइठ ऊ सब चाजह सम्मान कैगिल चित्रके पूजा हो अष्टिम्की । खास कैक यि पर्वके मूल नायक कान्हा (कृष्ण) हुइठ । कान्हा लगायत अष्टिम्कीम ढेर प्रकृतिके पूजापाठ कर्ना चलन बा । जस्त कि (सूर्य)दिन, चन्द्र(जोन्ह्या), पाँच पाण्डव (पाण्डो), द्रुपति, डोली, कजरिक बनवा, मञ्जोर, ऊँट, हात्ती लाउ, बाँसुरी बजाइल कान्हा, कुकुर (कुक्रा), रावण (रौना), साप (सर्प), राम ओ सीताके अभिभावक, घोडा (घोन्वा), मुघा, माछा, (रौनी मछरिया), रुख, बाँदर, बाघ (बग्घवा), पुरैन पाता (कमल फूलके प्रतिक) असिक विभिन्न प्रकृतिह पूजापाठ कैजिना यी पर्व बारे विभिन्न मिथक रहल बा । अष्टिम्की चित्र खास कैख मूल खाकाके ३ ठो बोर्डरमा चित्र अडकिट बनाजाइठ ।

कृष्ण कान्हाके चित्र सबसे उप्रक भागम रहठ ओ चित्रके सबसे तरक रुखवाम फे बस्या (बाँसुरी) सहित चित्रित रहठ । यि पर्वके मूल नायक नै कृष्ण हुइठ । कान्हा (कृष्ण) सब जिवजन्तु पशु प्राणीह आफन बाँसुरीले मोहित बनैना कला हुइलक कारण रुखक टुप्पाम बैस्ख बजाइल चित्र रहल बा । यी पर्वम कान्हाके विशेष पूजापाठ कैजाइठ । दिन (सूर्य) थारु जाति प्रकृतिके पूजक हुइठ । यी चित्र बनाइल भित्ताके बाउँ पाजर अक्कित रहठ । यी पर्वम जोन्ह्याके फे पूजा कैजाइठ । जोन्ह्याके चित्र बाउँ पाँजर बनाजाइठ ।थारु समुदायम पाँच पाण्डव विशेष पूज्य दिउताके रुपम मानजिठ । पाँच पण्डाओ हरेक गाउँक सख्या ठन्वाम फे विशेष स्थान रठिन् । पाँच पण्डाओनके चित्र पहिल पंक्तिम बनाख टिकजाइठ । हिकनक हाठ हाठम छाता रठिन् ।

यी पर्वके दोसुर लाइनम कौराओनके चित्र रहठ । पाँच पण्डाओनके तर कौरवके चित्र बनाजाइठ । हिकनक हाठम बन्दुक या तरवाल बनाइल चित्र फे पाजिठा । यकर अर्थ कौराओ ठनिक उग्र रलह कना किंबदन्ती पाजाइठ । कौनो कौनो ठाउँम चाहिँ सादा मनैनके किल चित्र बनाइल पाजिठा । कुइ कुइ यी दोसुर लहरम रलक पाँचठो चित्रके बारेम फरक फरक धारणा दिहल पाजाइठ । जस्त कि दुसर लहरम महिलाके चित्र फे पाजाइठ । दोसुर लाइनके चित्र द्रुपतिके हो कना मिथक पाजाइठ । थारु संस्कृतिविद अशोक थारुके अनुसार यी पाँच पण्डाओनके सख्या जन्नी द्रुपतिके हो कठ । पाँच पण्डाओन जन्नी फरक फरक फे रलहिन हुकनक प्रतीक हुइसेकठ कना तर्क कठ । कुइ यी चाहिँ रुधाधके प्रतीक ओ सोर हजार आठ गोपिनीके प्रतिकके रुपम बनागिल हो कना मिथक बटिन् । असिख यकर बारे अम्हिन अनुसन्धान कर पर्ना जरूरी देखजाइठ ।

अचम्मके बात त अष्टिम्की पर्वम बारठो मुन्टा रलक रौनाके चित्र फे बनाजाइठ । यी चित्रम नैटिक्जाइठ । छोट छोट लर्का केल टिकठ । खाटिमुरी नाआइस्, बिमार नाहुइस् (*बाँकी ३ पेजमे*)

विच्छ्यामे बारहके वितण्डा, स्थानीयके उठिबास

बाजुरा, ३१ सावन । जिल्लाके पूर्वीउत्तर क्षेत्रमे रहल हिमाली गाउँपालिका-१ विच्छ्यामे बुधके रात आइल बारहपहिरोसे यहाँके स्थानीयके उठिबास हुइल बा ।

गैल बुधके रात साढे छ बजे विच्छ्या खोलुवामे एक्कासी आइल बारहसे सिढे घर भिट्टर पेलल्पाछे विच्छ्यावासीके उठिबास हुइल हो ।

बारहके कारण अब्बे यहाँके एक दर्जनसे ढेर घर एक स्वास्थ्य चौकी वडा कार्यालय ओ विच्छ्या माविके भवन समेत पूर्णरूपमे क्षति करल हिमाली गाउँपालिका जनैले बा । बुधके रात विच्छ्या खोलुवाके उपरसे एक्कासी आइल बारह सिढे गाउँ



पेलल्पाछे अब्बे यहाँके स्थानीयके उठिबास हुइल हिमाली गाउँपालिकाके स्थानीय उमेश रोकाया बटैले ।

उहाँ कहलै, “बारहसे यहाँके दर्जनौ घर पुहाइल ओ अन्य घर फेन

जोखिममे परल बावै । साथे विच्छ्या खोलुवामे बनाइल भोलुंगे पुलमे क्षति करेबर अब्बे यहाँके स्थानीयहे समेत आउजाउमे समस्या हुइल बा ।”

बारहपहिरोसे मानवीय क्षति

अस्टिम्की पर्व...

कैक पुकारा कर्ठ । अति जुगम दानव ओ दिउताके किल कथा पाजाइठ । ऊ ब्याला रावण (रौना) फे शक्तिशाली रलह । थारु चाहिँ दानवके सन्तान हुइत कना मिथक बा । जस्त कि सखिया गीतमः

डानु डाडा डानु रि डाडा द रिउना रिउना भलि र !

सखिर डानु रि डाडा डाडा रिउना रे कहिडे ।

कैख दानवह फे सम्भल पाजाइठ । अस्टिम्कीको चित्रमा प्राचीन समयम समयके सूचक मानजिना मुर्धा, धरक रक्षक कुक्का, जंगलसे निकट रहना थारु समुदाय कजरिक बन्वा (वन), हात्ती, बाघ, बाँदर, मन्जोरके विभिन्न प्रकृतिके पूजा यि पर्वमे कैजाइठ । थारु समुदायके बनबनेट, रुखा बरिखा, जिवजन्वारसे घनिष्ठ सम्बन्ध रलहिन् कना बात यि अष्टिम्कीक चित्रले फे स्पष्ट पल बा कि थारु प्रकृतिपूजक हुइत ।

खास कैख मच्छी थारु समुदायम विशेष मान्जाइठ । मच्छीहे रैनी मछिरियाके नाउले पुज्जाइठ । सबसे पैल्ह यि पृथ्वीक उत्पत्ति हुइ ब्याला जल नै जल रह । यी ढरतीके सृष्टि हुइ बेला सबसे पैल्ह भगवान विष्णु मच्छिक अवतार लेल ओ सृष्टि कल कना बात हिन्दु धर्म ग्रन्थम फे पाजाइठ । ओहमार थारु आफन हेरक श्रु भ कार्य डस्या, डेवारी, अष्टिम्कीलगायत हेरक चाडपर्वमे पूजापाठमे समेत मच्छिक प्रसाद स्वरुप टिनाटावनम अनिवार्य मान्जाइठ । ओसहख कान्हा (कृष्ण) के बाबा इसर (वासुदेव) खेतीपातिक लाग बन्वाम हरजुवा आदि वाह (काट) जाइब्याला लड्या टर्क ब्यालाम फेन मच्छीम चिहुर्ख टरकठ कना अष्टिम्कीक गीतम किंवदन्ती बा । अष्टिम्की पर्वके फलाहार कलक दिन मच्छी टिना अनिवार्य रहठ ।

असहख डोली, राम भगवानके बाबा दशरथ र सीताके बाबा जनकके सम्धी सम्धीके चित्र, मन्जन्वा, लाउ, ढँकी, हर ज्वाटल चित्र आदि विभिन्न चित्रम पूजापाठ कर्ना यि पर्वके विशेषता हो ।

अष्टिम्की पर्वको महत्व

हेरक चाडपर्वके आपन मूल्य ओ महत्व ढवाकल रहठ । अष्टिम्की पर्वके फे विशेष महत्व रहल बा । थारु समुदायके सब महिला दिदीबहिन्या हुक सामूहिक ब्रत बैठना हुइलक कारण यि पर्व समाजम एकता कायम कर्ना काम करठ । अष्टिम्कीमदिदीबाबुके काहल अग्रसनले दादु भैयन डेना, खुवइना कर्ठ ओहमार दादुभैया ओ दिदीबहिनैके विच प्रगाढ सम्बन्ध बनाइठ । असिक सदा दादु बहिन्याविच सद्भाव ओ सुमधुर सम्बन्ध कायम कर्ल बा ।

गर्मी महिना सुरु हुइलसंगे आगलागीके घटना बढे सेकठ । जथाभावी आगी नसुँगाई । लुक्री लानासे बच्ची ।

अन्तर्राष्ट्रिय काश्मीरके पहाडी गाउँमे भीषण बाढसे कस्तीमे ३४ के मृत्यु



काठमाडौं, ३१ सावन । भारतीय प्रशासनअन्तर्गतके काश्मीरके एक पहाडी गाउँमे भीषण वर्षासे आइल बाढसे भारी विनाश निम्त्याइल बा । स्थानीय प्रशासनके अनुसार, किष्टवार जिल्लामे एकफाले बद्रि फाटके आइल बाढमे परके कस्तीमे ३४ जहनके ज्यान गैल बा, कलेसे दर्जनौ घाहिल हुइल बटै ।

“समाचार अत्यन्ते पीडा दायक बा,” काश्मीरके मुख्यमन्त्री ओमर अब्दुल्लाह विज्ञप्तिमे उल्लेख करटि किष्टवारमे तीव्र वर्षाके कारण भारी क्षति पुगल जानकारी डेलै । बाढसे प्रभावित व्यक्तिहे उद्धार करना प्रयास करल बा ।

किष्टवारके जिल्ला आयुक्त पंकज कुमार शर्मा कलै, “हमार हालसम ३४ शव फेला पारल बा ओ ३५ जाने घाहिलके उद्धार करल बा । अभिन फेन कुछ व्यक्ति हेराइल बटै ।”

अथोली गाउँके एक स्थानीय बासिन्दा सुशील कुमार एएफपीसंगेके बाटमे कलै, “मै अपन आँखीसे १५ जाने मृतकेह अस्पतालमे नानल डेखु ।” प्राकृतिक प्रकोपपाछे उद्धार कार्य एकडम चुनौतीपूर्ण बनल बा, काहेकि बाढपाछेक निरन्तर वर्षासे डगर ध्वस्त बनाइल बा । घटनास्थल श्रिनगरसे भण्डे २०० किलोमिटर दुर रहल कारण फेन उद्धार टोली पुन कठिन हुइल बा ।

भारतके प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी पीडितप्रति समवेदना व्यक्त करटि कलै, “संकटके घडीमे पीडितहे सब मेरिक सहयोग प्रदान करजाइ ।” यीआघे, अगस्ट ५ मे उत्तराखण्ड राज्यके धाराली गाउँमे फेन बाढ ओ पहिरोके कारण भारी विनाश हुइलर रहे, ओम्ने ७० से ढेरके ज्यान गैल आशंका करल बा ।

महिला एकक ठाउँमे जम्मा होखन मनाजिना यि पर्वमे आजकाल अक्कहले आफन क्वाठम कृष्णके फोटो बजारसे लान्खन पूजापाठ कर्ना प्रवृत्ति बहलक कारण सामाजिकताम कमि महसुस कर सेकजाइठ । कोइ धनीमानी व्यक्तिहुकनक तडकभडकले समाजम असर पुगाइल देखजाइठ । ओहमार परम्परागत मौलिकपनह संरक्षण कर्ति आत्मसात कर पर्ना आभुक आवश्यकता हो । हाल काठमाडौं लगायत विभिन्न बरा बरा सहरम फेन एकजुट होख थारु चाडपर्व मनैना जुन संस्कारके विकास हुइल बा । यिहीह सकारात्मक रुपम लिह सेकजाइठ । दाजुभाइ, दिदीबाबुहुक मिलजुलक सामूहिक रुपम आपन संस्कृति मन्ना, यकर बारेम बुझैना, बुझना कलक पुर्खनके सैदानप्रतिके सम्मान फे हो ।

थारु समुदायमे...

त्रिभुजाकार हाठ ओ गोराले लाग शक्तु आकारके प्रयोग करठै । इ चित्र सरल तरिकासे आकर्षक रुपमे बनैना करजाइठ । अष्टिम्कीके चित्र बनैना ओ पूजा सामग्री तयार कैना कार्य ओराइलपाछे महिला निरहार बैठके भुखले पेट परम्परागत आभूषण ओ पहिरनमे सजके चाउर, फलफूल, दिया, धानक अथवा मकैक बोट, कागतीके हाँगा ओ जोडा फल लेके पूजा कैना करठै । अष्टिम्कीके रातभर जाग्राम बैठके घरके सक्कु जाने कान्हा (श्रीकृष्ण) के परम्परागत लोक भाखामे गीत गैना करठै । अष्टिम्कीके दुसरा दिन सककरही पूजा कैके पूजा करल सामग्रीसहित चाउर सहितके दिया बारके लडिया अथवा टल्वामे असराके स्नान कैके सक्कु जाने घर अडैठै । घरमे बनाइल पकवानके कुछ भाग भगवानहे अर्पण कैके ब्रतालु महिला भोजन ग्रहण कैना करठै ।

मादामे अष्टिम्की चित्रकला लेखन तथा अग्यास

कैलाली जिल्लाके धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १६ भादामे

दुई दिने अष्टिम्की चित्रकला लेखन तथा अभ्यास कार्यक्रम निम्जल बा । थारु होमस्टे गाउँ भादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समिति धनगढी-१६, भादा कैलालीके आयोजनामे अष्टिम्की (श्रीकृष्ण जन्माष्टमी) टिकना कार्यक्रम २०८२ अन्तर्गत लौवा पिढीहे अष्टिम्की चित्रकला लेखन तथा अभ्यासके लाग तालिम डेहल हो ।

दीपेन्द्र चारपाते मावि धनगढी-१६, भादामे पढना लउण्डा लउण्डाहुँकनहे अष्टिम्की चित्रकला लेखन तथा अभ्यास तालिम डेहल सहजकर्ता पदमे बहादुर पछुल्लगा जनैले । उहाँ कहलै, गाउँमे अष्टिम्की चित्रकला बनाई जन्मा मनै बहुत कम बटै, यूवा पिढीहे चित्रसंगे अष्टिम्कीके बारेमे जानकारी डेना हिसाबसे यी कार्यक्रमके आयोजना कैगिलक हो ।

थारु होमस्टे गाउँ भादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण चौधरी लौवा पिढीहे सावन ३० व ३१ गते अष्टिम्की चित्रकला लेखन तथा अभ्यास करागैल जनैले । वसेहक कैके भादा गाउँमे प्रत्येक बरस सामूहिक अष्टिम्की टिकना कार्यक्रमके आयोजना कैटी आइलक उहाँ जनैले ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिंसाको अत्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल

निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

जनरल फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, गस्त्रोएन्टेरो, नशा तथा मेन्टल रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशा रोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा बड्कुरा विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

वनसमिति-कसरौल सडक जोखिमपूर्ण

कञ्चनपुरमे छाउगोठ भट्कैटी

कञ्चनपुर, ३१ सावन । शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके नगर गौरवके योजना चक्रपथके उत्तर ओरके सडकखण्डअन्तर्गत पर्ना वनसमिति-कसरौल सडक जोखिमपूर्ण रहल बा । सडकके दायाँ ओ बायाँ सुखाइल जिल्लक खुवा, असनाके खुवाके कारण जोखिम रहल बा ।

जौन बेला फेन सवारीसाधन ओ पैदलयात्रुउपर खुवाके हाँगा ओ खुवा गिरके दुर्घटना निम्ते सेवना खतरा रहल बा । स्थानीय रतनलाल रानाके अनुसार सडकमे पैदल नेँगी रहल स्थानीय ६० वर्षीय फिखा रानाके सुखाइल खुवाके हाँगा लागके कुछ बरस आघे मृत्यु हुइल रहे ।

विद्यार्थी बोकके जैटी रहल स्थानीय विद्यालयके बसउपर सुखाइल खुवा गिरल रहे । बसउपर खुवा गिरलेसे फेन मानवीय क्षति भर नैहुइल उहाँ बटैलै । “स्थानीय रामदिन रानाके गाई, गोरे बाँदल घारीमे खुवा गिरल रहे”, उहाँ कहलै, “घारीमे क्षति पुगल, मने बस्तुभाउ बचगैलै, गैल बरस किल दानु रानाके घरके कोन्वा टुरटी खुवा गिरलरहे, धन्न घर बचगैल घरभिट्टर परिवारके सदस्य रहिट, सक्कु जाने बचगैलै ।”

सुखाइल खुवाके कारण दुर्घटना निम्ते लागलपाछे सडकमे नेना डराइ पर्ना अवस्था रहल उहाँ बटैलै । पुरान सुखाइल जीर्ण हुइल खुवा जौन बेला



फेन गिरे सेवना हुइल ओरसे हटाइ पर्ना पूर्ववडाध्यक्ष जगता राना बटैलै । “विगतमे सुखाइल खुवाके कारण मानवीय क्षति होसेकल बा”, उहाँ कहलै, “आँधीपानी चलल बेला, बाज लागल बेला ओ वर्षातके बेला ज्यान हाठमे ढारके नेँगे पर्ना बाध्यता बा, यी क्षेत्र होके जैना औरै वैकल्पिक सडक नैहो, जोखिम मोलके नेँगे परठ ।”

उहाँके अनुसार सडक किनार घर रहल ओरसे कौन बेला खुवा गिरना पटा नैरहल बटैलै । स्थानीय जहरसिंह राना कहलै, “गाडी चला बेला खुवा गिरके दुर्घटना हुइना सम्भावना बा, पैदल यात्रुके कपारमे कौनबेला खुवाके हाँगा ओ खुवा गिरना हो पटा नैहो, आँधीपानी आइल बेला उ सडक होके नेना कना ज्यान जोखिममे पर्ना हो, ओहोमारे वर्षात् ओ आँधीपानी आइल बेला उ सडक होके नेना छोरले बटै ।” सडक किनार जीर्ण खुवा व्यवस्थापन कैडेहक लाग

उहाँ माग करलै ।

वनसमितिके कसरौलसडकके डेढ किलोमिटर सडक कालोपत्रके लाग पूर्वाधार विकास कार्यालयसे र तीन करोडमे ठेक्का सम्भौता करल शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके इञ्जिनियर दिपक धौमी बटैलै । “सुखाइल जीर्ण खुवा व्यवस्थापन नैहोके कार्य सञ्चालन कैना कठिन बा”, उहाँ कहलै, “सडक स्तरान्तरितके कालोपत्रसडकके लाग वातावरण अध्ययन ओ डिपिआर निर्माणके कार्य हुइल बा, सुखाइल खुवा कटना अनुमति अब्बेसम नै मिलल हो ।”

अनुमतिके लाग नगरपालिकासे पहल करटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके मध्यवर्ती क्षेत्र हुइल ओरसे निकुञ्ज सम्बद्ध मन्त्रालयसँग कटानी आदेशके लाग पत्राचार करल उहाँ जानकारी डेलै । वडाध्यक्ष दानसिंह ऐरके अनुसार

सौर्यबत्तीसे भिलीमिली भीमदत्तनगर

कञ्चनपुर, ३१ सावन । कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका नगरके मुख्य सडकमे सौर्यबत्ती जडान करलपाछे भीमदत्तनगर भिलीमिली हुइल बा । पालिका सौर्यबत्ती जडान करलपाछे पूर्व-पश्चिम राजमार्ग ओ महेन्द्रनगर बजार भिलीमिली बनल हो ।

नगर प्रवक्ता पदमराज अवस्थी ओज्जरार भीमदत्त बनेना अभियानअनुसार पालिका पूर्व-पश्चिम राजमार्गमे एक सय १५ ठो सडकबत्ती जडान करल जानकारी डेलै । “पहिल चरणमे पूर्वपश्चिम राजमार्गके भासीसे महेन्द्रनगर बजारसम एक सय १५ ठो सौर्यबत्ती जडान करल बा”, उहाँ कलै, “दोसर चरणमे राजमार्गके गड्डाचौकीसम जडान करब ।”

प्रवक्ता अवस्थी भीमदत्तहे ओज्जरार नगर बनेना लक्ष्यअनुसार पालिकासे १९ ठो वडामे सडक सौर्यबत्ती जडान करना तयारी करल बटैलै । उ सौर्यबत्ती जडानके

लाग रु ६९ लाख ७४ हजारमे ठेक्का सम्भौता हुइल रहे ।

पालिका दोसर चरणमे रु २२ लाख ८२ हजार ४२० मे ठेक्का सम्भौता करल बा । उअन्तर्गत गड्डाचौकीसे भुजेलसम ३० ठो सडकबत्ती जडान होसेकल नगरपालिका जनाइल बा । नागरिकके सहजताके लाग राजमार्गके दुनुओर सडकमे सौर्यबत्ती जडान करल उहाँ बटैलै ।

एसियाली विकास बैंकके सहयोगमे क्षेत्रीय सहरी विकास आयोजनाअन्तर्गत महेन्द्रनगर बजारहे आधुनिकीकरण करल हो । आयोजनाके पहिल चरणअन्तर्गत रु एक अर्ब लागानीमे आधुनिक सडक निर्माणसँगै नगर क्षेत्रमे ‘हाइमास्टलाइट’ जडान करल नगरके सब-इञ्जिनियर पवन लेखक जानकारी डेलै ।

“नगरके मुख्य सडकमे ७७६ ठो लाइट जडान हुइल बा”, उहाँ कलै, “बजारमे किल आठ ठो हाइमास्टलाइट

जडान करल बा ।” उहाँ बजार सौन्दर्यीकरणके लाग गल्लीमे रहल बिजुलीके खम्बा ओ टेलिफोनके तार गल्लीके पाछे भागमे व्यवस्थित करना लागल बटैलै ।

राजमार्गसहित नगरके क्षेत्रमे बत्ती जडान हुइलपाछे बिहानके समयमे क्याम्पस जैना विद्यार्थीहे सहज हुइल स्थानीय बटैलै । “सडकमे अन्धार होके आवतजावत समस्या होए, बत्ती जडान हुइलपाछे सहज हुइल बा”, स्थानीय गणेश भट्ट कलै, “एक चो जडान हुइल बत्ती बिगलपाछे बनेना पालिका ध्यान डेहेपरठ ।”

उहाँ सडकबत्तीसे यहाँ नागरिकहे रातके समयमे आवागमनमे सहज हुइना उल्लेख करलै । राजमार्ग क्षेत्रमे सडकबत्तीसे भिलिमिली हुइलपाछे विद्यार्थी ओ सवारीसाधनहे यात्रा करना सहज हुइनाके साथे दुर्घटनाके जोखिम कम हुइल स्थानीय बटैलै ।

वनसमिति-कसरौल सडक वडा नं ६, ७ ओ ८ ओर जैना मुख्य सडकके रूपमे रहल बा ।

वडा कार्यालय, स्वास्थ्य चौकी ओ खानेपानीलगायत कार्यालय जैना मुख्य सडक उहे रहल बा । “सुखाइल खुवा व्यवस्थापनके लाग निकुञ्जसँग समन्वय करले बटी”, उहाँ कहलै, “वन मन्त्रालयके टोली उ क्षेत्रके स्थलगत अवलोकनके कार्य करटी रहल बा, समस्या लेके मन्त्रालयसम पुगल बटी ।”

उहाँके अनुसार सडक किनारके १०५ खुवा हटाइ पर्ना डेखल बा । ओकर लाग प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षणके लाग निकुञ्ज कार्यालयसे स्थलगत प्रतिवेदन तयार कैके सम्बन्धित निकायमे पेस करले बा । स्थानीय तत्काल असुरक्षित खुवा काटके हटाइ पर्ना, सडक कालोपत्रसँगै चौडाइ बहाइ पर्ना माग करले बटै ।

कञ्चनपुर, ३१ सावन । कञ्चनपुरके दुई पालिकामे छाउगोठ भट्कैना कार्य धमाधम आघे बहाइल बा ।

असार २८ गते छाउगोठमे बैठल २८ वर्षीय कमला दमाईक सँप्वा काटलपाछे ज्यान गैल ओरसे सक्कु पालिकामे छाउगोठ भट्कैना अभियान सञ्चालन कैना जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे आग्रह करल रहे । ओहे अनुरूप हाल कृष्णपुर नगरपालिका ओ वेदकोट नगरपालिकासे छाउगोठ भट्कैना सुरु करल हो ।

यी पालिकामे हालसम ५९ छाउगोठ भट्काइल बावै । बुधके वडा नम्बर १ हनुमानपुरमे रहल २० छाउगोठ भट्काइल कृष्णपुर नगरपालिका जनैले बावै । उहीसे आघे कृष्णपुर नगरपालिकासे १६ छाउगोठ ओ वेदकोट नगरपालिकासे २३ छाउगोठ भट्काइल रहे । पालिकासे छाउगोठ भट्कैना अभियानहे निरन्तरता डेना जनाइल बावै ।

जिल्लाके दोधारा चाँदनी

नगरपालिका, लालभाडी गाउँपालिका ओ भीमदत्त नगरपालिकासे भर पालिकामे छाउगोठ नैरहल दावी करल बटै । भीमदत्त नगरपालिकाके प्रशासकीय अधिकृत एवं सूचना अधिकारी हरिसिंह धामी भीमदत्तके १९ वडामे छाउगोठ नैरहल जानकारी आइल बटैलै ।

“छाउगोठ भट्कैना सक्कु वडाहे पत्र पठाइल रहे”, उहाँ कहलै, “वडा कार्यालयसे छाउगोठ बनाइल नैभेटाइल जानकारी पालिकाहे करैले बटै ।” भीमदत्तमे छाउगोठ नैबनेना कार्यविधि निर्माण कैके लागु कैना तयारी करल सूचना अधिकारी धामी बटैलै । दोधारा चाँदनी नगरपालिकाके १० वडामे छाउगोठ बनाइल नैभेटाइल सूचना अधिकारी सुरेशसिंह साउद बटैलै ।

उहाँके अनुसार दोधारा चाँदनीमे महिला छुट्टे छाउगोठ नैबनाइल मने घरमे अलगे बैठ्ना कोठा बनाइल भेटल बा । छ वडा रहल लालभाडी गाउँपालिकाके पाँच वडामे रानाथारुके बसोबास रहल पालिका जनैले बावै ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- भिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षधात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

१४ से घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

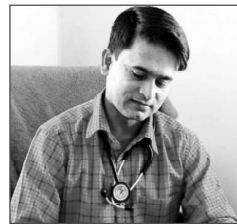
NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट,

छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह

(सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड

रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरु

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रुखाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, दयाउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने ।
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्मे, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिखा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बॉन्डोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अप्रेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेसन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछाँ पन्तु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

Empowering Futures through Technical Excellence!

Admission Open!

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com